

न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी हनुमानगढ़

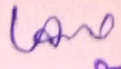
पीठासीन अधिकारी :- करतार सिंह पूनियॉ आर.ए.एस.

अपील संख्या 2011/00209 (188/2011) 223 आरटीएक्ट

1. जीतसिंह } पि० मेलुसिंह वल्द सुन्दर सिंह जाति सिकलीगर निवासी तलवाड़ाझील हाल
 2. रूपसिंह } सिकलीगरों के गुरुद्वारा के पास जे०जे० कॉलोनी सिरसा तहसील व जिला सिरसा हरियाणा
- अपीलाण्ट

बनाम

1. शाहसवार पुत्र दोष मोहम्मद जाति मुसलमान साकिन राठीखेड़ा तह० टिब्बी जिला हनुमानगढ़।
2. स्टेट ऑफ राजस्थान जरिये तहसीलदार (राजस्व) टिब्बी -असल रेस्पोंडेण्ट
3. नाजर सिंह पुत्र मेलुसिंह वल्द सुन्दर सिंह जाति सिकलीगर निवासी तलवाड़ा हाल सिकलीगरों के गुरुद्वारा के पास जे०जे० कॉलोनी सिरसा तहसील व जिला सिरसा (फौत)
- 3/1 मनोहर सिंह पुत्र नाजर सिंह उर्फ नादर सिंह जाति सिकलीगर निवासी जे०जे० कॉलोनी सिरसा हरियाणा।
- *3/2 सतनाम सिंह पुत्र नाजर सिंह उर्फ नादर सिंह जाति सिकलीगर निवासी जे०जे० कॉलोनी सिरसा हरियाणा।
- 3/3 दीप कौर पुत्री नाजर सिंह उर्फ नादर सिंह पत्नी महेन्द्र सिंह जाति सिकलीगर निवासी जे०जे० कॉलोनी सिरसा हरियाणा।
- 3/4 प्रकाश कौर पुत्री नाजर सिंह उर्फ नादरसिंह पत्नी अंग्रेज सिंह जाति सिकलीगर निवासी जे०जे० कॉलोनी सिरसा हरियाणा।
- 3/5 पीड़ी कौर पुत्री नाजर सिंह उर्फ नदर सिंह पत्नी धन्ना सिंह जाति सिकलीगर निवासी जे०जे० कॉलोनी सिरसा हरियाणा।


राजस्व अपील प्राधिकारी
हनुमानगढ़



4. जगजीत सिंह
5. प्रेम कौर
6. बन्तो कौर
7. मौनो कौर
8. कन्तो कौर
9. राजी कौर
10. नानकी कौर

पि० मेलूसिंह हवलद सुन्दर सिंह जाति सिकलीगर निवासी तलवाड़ा
सिकलीगरों के गुरुद्वारा के पास जे०जे० कॉलोनी सिरसा तहसील व
जिला सिरसा हरियाणा।

—तरतीबी / रेस्पोंडेण्ट

अपील विरुद्ध निर्णय व डिक्री दिनांक 21.06.1995 सहायक कलक्टर एवं कार्यपालक
मजिस्ट्रेट संगरिया प्रकरण संख्या 312/1992 बअनवानी नियाज मोहम्मद बनाम मेलूसिंह

श्री विजय कौशिक अधिवक्ता अपीलाण्ट

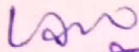
श्री इन्द्राज गौदारा अधिवक्ता रेस्पोंडेण्ट सं० 1

श्री रविन्द्र भोभिया राजकीय अधिवक्ता रेस्पों० सं० 2

निर्णय

दिनांक:- 31.03.2021

1. संक्षेप में तथ्य इस प्रकार हैं कि रेस्पोंडेण्ट संख्या 1 ने अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 88 के अन्तर्गत एक वाद-पत्र पेश किया जिसमें प्रतिवादी सं० 1 मेलूसिंह के नाम दर्ज चक नं. 3 आर.के. प. नं. 217/283 मु० नं० 26 किला नं. 25 की 1 बीघा भूमि पर प्रतिकूल धारण के आधार पर खातेदारी घोषित करने का अनुतोष मांगा। अधीनस्थ न्यायालय ने रेस्पोंडेण्ट संख्या 1 के विरुद्ध एकपक्षीय



राजस्व अपील प्राधिकारी
हनुमानगढ़

कार्यवाही करते हुए वाद वादी स्वीकार किया, जिससे व्यथित होकर अपीलाण्ट ने यह अपील प्रस्तुत की है।

2. उभयपक्ष की बहस सुनी गई।

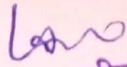
3. विद्वान अधिवक्ता अपीलाण्ट ने अपनी बहस में कथन किया कि अपीलाधीन निर्णय अपीलाण्ट के पिता को बिना नोटिस दिये एवं साक्ष्य सुनवाई का अवसर प्रदान किये पारित किया गया है जो प्रकृतिक न्याय के सिद्धान्तों के विपरीत है। अपीलाण्ट के पिता को कभी कोई नोटिस नहीं मिला। अपीलाण्ट के पिता गांव तलवाड़ा में रोजगार नहीं मिलने पर एवं भूमि की आय से गुजारा नहीं होने के कारण सन् 1995 से पूर्व ही सिरसा चले गये एवं भूमि का हिस्सा टेका रेस्पोंड सं० 1 से प्राप्त करते रहे परन्तु अपीलाण्ट के पिता एवं अपीलाण्ट को बिना बताये ही समस्त कार्यवाही गुपचुप करवाकर अपीलाधीन निर्णय पारित करवाया है। रेस्पोंडेंट का कभी भी प्रश्नगत भूमि पर अपीलाण्ट व उसके पिता के अधिकारों के विरुद्ध स्वतंत्र रूप से कब्जा लगातार कब्जा नहीं रहा एवं ना ही ऐसा कोई दस्तावेजी साक्ष्य पत्रावली पर उपलब्ध है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के तहत प्रतिकूल धारण के आधार पर खातेदारी अधिकार प्रदान किये जाने का कोई प्रावधान नहीं है। भूमि रेस्पोंडेंट को ठेके पर दी जाती रही थी। आपसी सम्बन्ध अच्छे होने के कारण लिखपट्टी नहीं की गई। अपीलाधीन निर्णय का अपीलाण्ट को ज्ञान नहीं था ज्ञान होते ही अपील पेश कर दी है। देरी क्षमा की जावे एवं अपील अपीलाण्ट स्वीकार की जावे। विद्वान अधिवक्ता ने अपने कथनों के समर्थन में 2011 आरबीजे (एफ.बी) पेज 387, 2018 आरआरटी पेज 682 डीबी, 2008 आरबीजे पेज 761, 2011 सीसीसी पेज 13 एससी, 2004 आरआरडी पेज 167, 2008 आरआरटी 1406 के न्यायिक दृष्टान्त पेश किये।

4. विद्वान अधिवक्ता रेस्पोंडेंट संख्या 1 ने अपनी बहस में कथन किया कि अपीलाधीन निर्णय पारित करने से अपीलाण्ट के पिता को नोटिस दिया गया था चस्पांदगी से तामील


राजस्व अपील प्राधिकारी
हनुमानगढ़

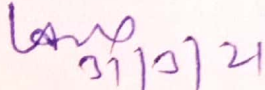
करवाई गई है। दो गवाहों के हस्ताक्षर भी हैं मगर अपीलान्ट के पिता ने हमारा प्रतिकूल धारण स्वीकार करने के कारण वे अधीनस्थ न्यायालय में जानबूझकर उपस्थित नहीं आये। अधीनस्थ ने विधि सम्मत तामील के उपरान्त अपीलाधीन निर्णय व डिक्री पारित की है। अपीलान्ट के पिता ने अपने जीवन काल में कभी भी इस निर्णय एवं डिक्री को चैलेंज नहीं किया है अब अपीलान्ट को अपील पेश करने का अधिकार नहीं है। अपीलान्ट ने विलम्ब से अपील पेश की है विलम्ब का कोई कारण नहीं बताया है। अतः अपील अपीलान्ट खारिज की जावे। विद्वान अधिवक्ता ने अपने कथनों के समर्थन में आरआरटी 2018 (2) पेज 948-2010 (3) डीएनजे (राज) पेज 1081 के न्यायिक दृष्टान्त पेश किये।

5. उभयपक्ष की बहस पर मनन किया एवं पत्रावली का अवलोकन किया।
6. धारा 5 मियाद अधिनियम का प्रार्थना-पत्र में अंकित तथ्यों को देखते हुए एवं प्रकरण का निस्तारण गुणावगुण पर श्रेयस्कर होने के कारण प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 5 मियाद अधिनियम स्वीकार किया जाता है। अपील अन्दर मियाद शुमार किया जाता है।
7. अधीनस्थ न्यायालय में रेस्पोंडेण्ट ने प्रतिकूल धारण के आधार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 88 के अन्तर्गत वाद पेश किया जो अधीनस्थ न्यायालय ने स्वीकार किया है। वादपत्र को स्वीकार करते हुए मेलूसिंह पुत्र सुन्दर सिंह जाति सिकलीगर के नाम दर्ज चक 3 आरके की 1 बीघा भूमि प्रतिकूल धारण के आधार पर वादी नियाज मोहम्मद पुत्र दोष मोहम्मद को खातेदार काश्तकार घोषित किया है। पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है कि अपीलाधीन आदेश वादी को एकपक्षीय सुनकर पारित किया गया है। अपीलान्ट द्वारा प्रस्तुत न्यायिक दृष्टान्त 2011 आरबीजे (एफ.बी) पेज 387 में यह अभिनिर्धारित किया गया है कि प्रतिकूल धारण के आधार पर आरटीएक्ट में कोई प्रावधान नहीं है जिसमें खातेदारी नहीं दी जा सकती है। चूंकि अधीनस्थ न्यायालय ने एक खातेदार काश्तकार को सुनवाई का अवसर दिये बिना उसकी खातेदारी भूमि को


राजस्व अपील प्राधिकारी
हनुमानगढ़

प्रतिकूल धारण के आधार पर वादी को खातेदार घोषित कर दिया है। ऐसे में अपीलान्ट को अधीनस्थ न्यायालय में न्यायहित में सुनवाई का एक अवसर दिया जाना उचित है। अतः अपील आंशिक स्वीकार की जाती है एवं अधीनस्थ न्यायालय का अपीलाधीन निर्णय एवं डिक्री निरस्त किये जाते हैं एवं प्रकरण अधीनस्थ न्यायालय को इस निर्देश के साथ प्रतिप्रेषित किया जाता है कि उभयपक्ष को सुनवाई का समुचित अवसर देकर पुनः विधि सम्मत निर्णय पारित करे। अधीनस्थ न्यायालय का अभिलेख निर्णय की प्रमाणिति प्रति सहित भिजवाया जावे। पत्रावली निर्णित शुमार व नम्बर से कम की जाकर दाखिल दफ्तर हो।

8. निर्णय आज दिनांक 31.3.2021 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर सरे इजलास सुनाया गया।


(करतार सिंह पूनियाँ आरएएस)
राजस्व अपील प्राधिकारी
हनुमानगढ़